

एक पीढ़ी की कीमत

आज कोई सामान्य दिन नहीं था। यह समय का वह हिस्सा था जिसमें मैंने अपने पिता की अनुपस्थिति पर शोक मनाया। मैंने चिंतन किया, अपने दादा के बारे में सोचा, और अपने मन में दोनों से एक ही सवाल पूछा: तुमने मुझे अकेला क्यों छोड़ दिया फ्रेगा परिवार की विरासत बचाने और उसके नाम को एक पीढ़ी में बदलने के लिए?

मेरी बहू, शेरोन, ने मुझे रोने के लिए अपना कंधा दिया। उसने मुझे तसल्ली दी, यह जानते हुए कि मेरे सामने जो था वह न आसान कार्य था न जटिल, न किसी प्रतिभा का कमाल न रचनात्मकता का कर्म, बल्कि, सच में, एक असंभव मिशन। और अब तक मुझे खुद भी यह अहसास हो चुका था।

मुझे लगा जैसे मुझे इसे आगे ले जाने की ज़िम्मेदारी सौंपी गई हो, अपने दादा के जीवन की कठिनाईयों से शुरू करके जो चालीस साल खनिक रहे, और अपने पिता के जीवन से, जो चालीस साल विक्रेता रहे। मेरी बात करें तो, मैंने अपने पेशेवर जीवन के अठारह साल एक ऐसी माँको समर्पित किए जिसकी मैंने हमेशा प्रशंसा और सम्मान किया, और जिससे मुझे वे सभी पाठ मिले जो एक जीवन दे सकता है: वे पाठ जो मुझे आज जो मैं हूँ वह बनने के लिए ज़रूरी थे, हालांकि मुझे कोई अंदाज़ा नहीं कि मैं कल क्या बनूंगा।

वह हैं माँ GILLETTE।

फिर मुझे कंधे पर वही परिचित हाथ फिर से महसूस हुआ, जो मुझे मार्गदर्शन देता है और मुझे अकल्पनीय चीज़ों की ओर धकेलता है: वेबसाइट पर एक ऑडियो रिकॉर्डिंग, फिर पहला परीक्षण चलाने के लिए दो, फिर यह देखने के लिए पाँच कि सिस्टम टिक पाता है या नहीं, फिर दस, कई भाषाओं में, लोगों से बात करने के लिए।

और यह सब क्यों?

अमेरिका मेरा घर था, हालांकि मैंने अभी इस पल एक सटीक गंतव्य नहीं चुना है। फ्रांस दादा कॉप के परिवार का घर रहा था। भारत ब्रांड के वैश्विक नेता का जन्मस्थान था, उससे पहले आए इतने सारे अमेरिकियों के बाद एक अग्रणी। ब्राज़ील ने, दूसरी ओर, सबसे बेहतरीन स्त्री दी जो वह दे सकता था, एक ऐसे ब्रांड को जो पुरुषों के लिए और उनके लिए समर्पित पैदा हुआ था, एक सौ तीस साल के इतिहास के बाद स्त्रियों की एक वास्तविक स्वीकृति में बदलने में मदद करते हुए। आखिरकार, यह लगभग हमेशा स्त्रियाँ ही होती हैं जो खरीद के फ़ैसले लेती हैं, और उनके बिना आज यह सब संभव नहीं हो पाता। और अंत में, इटली, अपने मेंडोलिन और गिटार के साथ, बाल्कनियों के नीचे सेरेनेड के लिए सबसे प्रिय वाद्य, प्रेमियों के अनुरोध पर बजाए गए। और उन सेरेनेड के निर्देशक हमेशा वही दो पुरुष थे: मेरे पिता और मेरे दादा।

अविस्मरणीय फ्रेगा।

मैंने उनकी तस्वीरें देखीं और रोता रहा। सौभाग्य से, मैं अकेला था, क्योंकि मेहमान समुद्र किनारे चले गए थे।

फिर दिन का आश्चर्य आया: संपर्क पेज पर, बिना ऑडियो के खुद का आठ मिनट का एक वीडियो लगाना।

पर इसका क्या मतलब था? मैं इसे समझ नहीं पाया, और शायद तुरंत नहीं समझूंगा। पर मुझे यकीं है कि मैं बाद में समझ जाऊंगा, जैसा अक्सर होता है।

इस बीच, मैंने वह YouTube संगीत छोड़ दिया है जो सालों से मेरी मेज़ पर मेरे साथ रहा, और आज से मैं अपनी ही वेबसाइट का संगीत सुनता हूँ। यह अजीब तरह जाना-पहचाना हो गया है, जैसे मैं इसे हमेशा से जानता था, लगभग जैसे मैं खुद को यकीं दिलाना चाहता हूँ कि यह उन लोगों को समर्पित एक गान है जो अब यहाँ नहीं हैं।

फेर्दिनान्दो

Ferdinando Frega — gillettenarrative.com